कुल प्रश्नों की संख्या : 26 कुल पृष्ठों की संख्या : 12

उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड(12वीं) वार्षिक परीक्षा – 2025-26

विषय कोड - 1212

विषय – बहीखाता एवं एकाउंटेंसी

आदर्श उत्तर

समय :3 घंटे पूर्णांक : 100

---

1. **सही विकल्प चुनकर लिखिए -**
   - (I) (द) किसी भी दर से नहीं
   - (II) (अ) पुराने साझेदारों के पूंजी खाते में
   - (III) (स) पूँजीगत हानि
   - (IV) (ब) सचिव द्वारा
   - (V) (अ) लाभांश का भुगतान
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –**
   - (I) नाम मात्र का
   - (II) ऋण
   - (III) पूंजीगत
   - (IV) प्रीमियम
   - (V) शुद्ध विक्रय
3. **सत्य/ असत्य में उत्तर लिखिए –**
   - (I) असत्य
   - (II) सत्य
   - (III) असत्य
   - (IV) सत्य
   - (V) सत्य
4. **सही जोड़ियाँ बनाइए –**

	स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
(I)	साझेदार बन सकते हैं	(स) केवल व्यक्ति
(II)	प्रत्येक साझेदार फर्म का	(इ) एजेन्ट होता है
(III)	मांगी गई पर अभी प्राप्त न हुई राशि	(ब) अवशिष्ट याचना
(IV)	अंशधारियों से वास्तव में प्राप्त राशि	(अ) चुकता पूँजी
(V)	मांगी गई राशि से अधिक प्राप्त राशि	(द) अग्रिम याचना

5. **एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए -**

(I) साझेदारी फर्म का पुनर्गठन

(II) बैंक खाता

(III) पार्षद सीमानियम

(IV) चालू संपत्तियां के अंतर्गत

(V) 2:1

6. **फर्म से आशय -**

फर्म से आशय उन व्यक्तियों के समूह से है जो साझेदारी अनुबंध के अंतर्गत लाभ कमाने के उद्देश्य से कोई व्यवसाय करते हैं।

अथवा

साझेदारी से आशय -

जब दो या दो से अधिक व्यक्ति लाभ कमाने के उद्देश्य से मिलकर कोई व्यवसाय करते हैं और उसका लाभ-हानि आपस में बाँटते हैं, तो उस व्यवस्था को साझेदारी कहते हैं।

7. **गुप्त ख्याति -**

फर्म के के पुनर्गठन पर गणना की गयी फर्म की पूँजी एवं वास्तविक पूँजी के अंतर को गुप्त ख्याति कहते हैं।

अथवा

नए साझेदार के अधिकार -

(I) लाभ में अपने हिस्से का अधिकार

(II) सञ्चालन में भाग लेने का अधिकार

(III) फर्म की पुस्तकों को देखने व उनकी प्रति लेने का अधिकार

(IV) फर्म से संबंधित सभी महत्वपूर्ण सूचनाएँ प्राप्त करने का अधिकार

(किन्ही 2 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

8. **वसूली खाते की विशेषताएँ -**

(I) नाममात्र खाता

(II) फर्म के समापन पर निर्माण

(III) शेष पूँजी खातों में अंतरित

(IV) वसूली व्यय का लेखा

(किन्ही 2 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

सूचना द्वारा फर्म के विघटन से आशय --

ऐच्छिक साझेदारी में जब कोई भी साझेदार अन्य साझेदारों को स्पष्ट सूचना देकर फर्म को समाप्त कर दे, तो इसे सूचना द्वारा फर्म विघटन कहा जाता है।

9. **वित्तीय विवरण की विशेषताएं -**

(I) लेखांकन अभिलेखों पर आधारित

(II) आर्थिक स्थिति का चित्रण

(III) ऐतिहासिक स्वरूप

(IV) लेखांकन प्रथाओं एवं मान्यताओं पर आधारित

(V) लेखांकन प्रक्रिया का अंतिम परिणाम

(किन्ही 2 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

एक अच्छे वित्तीय विवरण के गुण -

(I) सत्यता
(II) स्पष्टता
(III) पूर्णता
(IV) तुलनीयता
(V) विश्वसनीयता
(VI) प्रासंगिकता
(VII) समयबद्धता

(किन्ही 2 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

10. **रोकड़ तुल्य-**

वे अल्पकालीन व अत्यधिक तरल निवेश, जिन्हें आसानी से तथा बिना जोखिम के साथ रोकड़ में परिवर्तित किया जा सके, रोकड़ तुल्य कहलाते हैं। उदाहरण: ट्रेज़री बिल, वाणिज्यिक पत्र, अल्पकालीन सावधि जमा।

अथवा

रोकड़ प्रवाह -

रोकड़ प्रवाह किसी निश्चित अवधि में एक व्यवसाय में रोकड़ और रोकड़ तुल्य के आगमन व निर्गमन की प्रक्रिया है।

11. **साझेदारी के विघटन एवं साझेदारी फर्म के विघटन में अंतर –**

आधार	साझेदारी का विघटन	साझेदारी फर्म का विघटन
(I) अर्थ	साझेदारों के आपसी संबंधों में परिवर्तन	फर्म का पूर्ण रूप से समाप्त हो जाना
(II) व्यवसाय	व्यवसाय जारी रहता है	व्यवसाय समाप्त हो जाता है
(III) कारण	प्रवेश, अवकाश, मृत्यु आदि	दिवालियापन, न्यायालय आदेश, सूचना आदि
(IV) सम्बन्ध	सभी साझेदारों का संबंध समाप्त नहीं होते	सभी साझेदारों का संबंध समाप्त
(V) हिसाब-किताब	हिसाब-किताब चलता रहता है	हिसाब-किताब अंतिम बार होता है

(किन्ही 3 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

एक फर्म के न्यायालयीन विघटन के कारण -

(I) किसी साझेदार का पागल हो जाना।
(II) किसी साझेदार का स्थायी रूप से अयोग्य हो जाना।
(III) किसी साझेदार द्वारा अनुचित आचरण किया जाना।
(IV) साझेदारों के बीच गंभीर मतभेद उत्पन्न हो जाना।
(V) न्यायालय को यह प्रतीत होना कि फर्म का विघटन न्यायोचित एवं उचित है।

(किन्ही 3 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

12. प्रविवरण के उद्देश्य —

(I) जनता को अंश क्रय हेतु निमंत्रण देना
(II) पूँजी जुटाना
(III) स्थापना की सूचना देना
(IV) निवेशकों का विश्वास बढ़ाना
(V) कानूनी औपचारिकता पूरी करना
(VI) शर्तों का विवरण देना

(किन्ही 3 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

दिनांक	विवरण	खा.पृ.	नामे रकम (₹)	जमा रकम (₹)
1	बैंक खाता नामे 12% पूर्वाधिकार अंशधारी खाता से (एकमुश्त राशि प्राप्त की)		80,000	80,000
2	12% पूर्वाधिकार अंशधारी खाता नामे 12% पूर्वाधिकार अंशपूँजी खाता से (राशि पूर्वाधिकारअंश पूँजी में अंतरित की)		80,000	80,000

13.ऋणपत्र की विशेषताएँ –

(I) ऋण का प्रमाण
(II) निश्चित ब्याज
(III) लेनदार
(IV) पूँजी की वापसी का अनुबंध
(V) मताधिकार नहीं

(किन्ही 3 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

एक कंपनी के लिए ऋणपत्र निर्गमन के लाभ -

(I) स्वामित्व में कोई हस्तक्षेप नहीं
(II) दीर्घकालीन वित्त की प्राप्ति
(III) कम ब्याज दर पर वित्त की प्राप्ति
(IV) पूँजी संरचना में मजबूती
(V) कर में बचत
(VI) सुविधा अनुसार मोचन

(किन्ही 3 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

14.लेनदारों को भुगतान की गणना-

विवरण		रकम (₹)
शुद्ध उधार क्रय (2,10,000 – 6,000)		2,04,000
जोड़िये- प्रारम्भिक शेष		35,000
		2,39,000
घटाईए-		
कटौती	3,000	
अंतिम शेष	29,000	(32,000)
लेनदारों को भुगतान		**2,07,000**

अथवा

रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य-

(I) रोकड़ की प्राप्ति एवं भुगतान की जानकारी
(II) तरलता की स्थिति का ज्ञान
(III) रोकड़ प्रवाह का विश्लेषण
(IV) वित्तीय नियोजन का उपकरण
(V) रोकड़ बजट का निर्माण
(VI) शोधन क्षमता का निर्धारण

(किन्ही 3 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

15.स्थाई पूँजी खाता पद्धति एवं परिवर्तनशील पूँजी खाता पद्धति में अंतर –

आधार	**स्थाई पूँजी खाता पद्धति**	**परिवर्तनशील पूँजी खाता पद्धति**
(I) स्थिरता	पूँजी खाता स्थिर रहता है	पूँजी खाता बदलता रहता है
(II) समायोजन	समायोजन अलग चालू खाते में	सभी समायोजन पूँजी खाते में
(III) चालू खाता	अलग चालू खाता खोला जाता है	चालू खाता नहीं खोला जाता
(IV) लाभ-हानि का प्रभाव	चालू खाते में दिखाया जाता है	पूँजी खाते में दिखाया जाता है
(V) शेष	सदैव जमा शेष	नामे अथवा जमा शेष

(किन्ही 4 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

लाभ-हानि वितरण खाता
31 दिसम्बर 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष का

Dr. **Cr.**

विवरण	**रकम (₹)**	**विवरण**	**रकम (₹)**
पूँजी पर ब्याज अजित 1,920 अमित 960 आदिल 720	3,600	लाभ	12,600
लाभ (पूँजी खाते में अंतरित) अजित 4,000 अमित 3,000 आदिल 2,000	9,000		
योग	**12,600**	**योग**	**12,600**

लाभ का विभाजन-

अजित = 9,000 × 3/6 = ₹4,500-₹500= ₹4,000

अमित = 9,000 × 2/6 = ₹3,000

अदिल = 9,000 × 1/6 = ₹1,500+₹5,00=₹2000

16. सामान्य लाभ = $\frac{6,00,000X15}{2X100}$

= 45,000

अधिलाभ = उपार्जित लाभ - सामान्य लाभ

= 60,000 - 45,000

=15,000

ख्याति = $\frac{15,000X100}{7.5}$

= **₹2,00,000**

अथवा

लाभ प्राप्ति अनुपात एवं त्याग अनुपात में अंतर -

आधार	**लाभ प्राप्ति अनुपात**	**त्याग अनुपात**
(I) अर्थ	नए साझेदार द्वारा प्राप्त लाभ का अनुपात	पुराने साझेदार द्वारा छोड़े गए लाभ का अनुपात
(II) उद्देश्य	नए साझेदार का लाभ हिस्सा ज्ञात करना	पुराने साझेदारों के त्याग का निर्धारण
(III) सूत्र	नया अनुपात – पुराना अनुपात	पुराना अनुपात – नया अनुपात
(IV) उपयोग	ख्याति/लाभ के वितरण में उपयोग	ख्याति/लाभ की क्षतिपूर्ति तय करने में उपयोग
(V) प्रभाव	नए साझेदार का लाभ बढ़ता है	पुराने साझेदारों का लाभ घटता है

(किन्ही 4 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

17.

दिनांक	विवरण	खा.पृ.	नामे रकम (₹)	जमा रकम (₹)
	P का पूँजी खाता नामे		16,000	
	Q का पूँजी खाता नामे		4,000	
	R के पूँजी खाता से			20,000
	(R की ख्याति का हिस्सा समायोजित किया)			

प्राप्ति अनुपात (P) = 3/5 – 1/3

= 4/15

प्राप्ति अनुपात(Q) = 2/5 – 1/3

= 1/15

= 4:1

अथवा

दिनांक	विवरण	खा.पृ.	नामे रकम (₹)	जमा रकम (₹)
(i)	A का पूँजी खाता नामे		24,000	
	B का पूँजी खाता नामे		16,000	
	Cका पूँजी खाता नामे		8,000	
	ख्याति खाता से			48,000
	(विद्यमान ख्याति अपलिखित की)			
(ii)	A का पूँजी खाता नामे		12,000	
	Cका पूँजी खाता नामे		8,000	
	B के पूँजी खाता से			20,000
	(B की ख्याति प्राप्ति अनुपात में समायोजित की)			

18. कम्पनी की विशेषताएँ-

(I) स्वतंत्र कानूनी अस्तित्व
(II) सीमित दायित्व
(III) स्थायी अस्तित्व
(IV) सार्वमुद्रा
(V) विधान द्वारा निर्मित
(VI) कृत्रिम व्यक्ति

(किन्ही 4 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

दिनांक	विवरण	खा.पृ.	नामे रकम	जमा रकम
	समता अंश पूँजी खाता (60 x100) नामे समता प्रथम याचना खाता से(60 x25) समता द्वितीय याचना खाता से(60 x15) समता अंश हरण खाता से (60 x60) (अंशों का हरण किया)		6,000	 1,500 900 3,600

19. कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार कंपनी के चिट्ठे के समता एवं दायित्व पक्ष के प्रमुख शीर्षक -

(I) अंशधारियों के कोष
(II) अंश आवेदन राशि ,जब तक आवंटन न हो
(III) गैर चालू दायित्व
(IV) चालू दायित्व

अथवा

वित्तीय विवरणों की सीमाएँ-

(I) ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित
(II) मूल्य स्तर परिवर्तन की उपेक्षा
(III) अनुमानों पर आधारित
(IV) गुणात्मक तथ्यों की उपेक्षा
(V) पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं

(किन्ही 4 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

20. $\text{तरल अनुपात} = \dfrac{\text{तरल संपत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}}$

$$= \frac{\text{रोकड़+बैंक+देनदार+प्राप्य विपत्र}}{\text{लेनदार+देय विपत्र+अदत्त वेतन}}$$

$$= \frac{1,00,000+50,000+2,00,000+50,000}{1,60,000+40,000+20,000}$$

$$= \frac{4,00,000}{2,20,000}$$

$$= 1.8:1$$

अथवा

लेखांकन अनुपातों की सीमाएं -

(I) ऐतिहासिक आँकड़ों पर आधारित
(II) मुद्रास्फीति के प्रभाव को नहीं दर्शाते
(III) लेखांकन नीतियों पर निर्भर
(IV) गुणात्मक पहलुओं की अवहेलना
(V) सर्वमान्यता का अभाव
(VI) तुलना में सीमित उपयोगिता

(किन्ही 4 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

21. संचालन संबंधी क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह -

विवरण		रकम (₹)
शुद्ध हानि (2,20,000-2,40,000)		(20,000)
जोड़िये- चालू संपत्तियों में कमी (देनदार)		24,000
		4000
घटाईए-		
चालू संपत्तियों में वृद्धि (पूर्वदत्त बीमा)	8,000	
चालू दायित्वों में कमी		
अदत्त किराया	36,000	
लेनदार	24,000	(68,000)
संचालन संबंधी क्रियाओं में रोकड़ प्रयोग		**(64,000)**

अथवा

रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाएँ -

(I) लाभ-हानि की शुद्धता नहीं

(II) गैर-रोकड़ व्यवहारों की अवहेलना

(III) भविष्य का सटीक पूर्वानुमान नहीं

(IV) अल्पकालीन विश्लेषण

(V) दिखावटी आंकड़े

(किन्ही 4 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

22. साझेदारी की विशेषताएँ -

(I) दो या दो से अधिक व्यक्ति

(II) लाभ कमाने का उद्देश्य

(III) साझेदारी अनुबंध (समझौता) का अस्तित्व

(IV) लाभ-हानि का बँटवारा

(V) संयुक्त प्रबंध

(VI) संयुक्त पूँजी का योगदान

(VII) असीमित दायित्व

(किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

साझेदारी संलेख में उल्लिखित प्रमुख बिन्दु –

(I) फर्म का नाम

(II) फर्म का पता

(III) व्यवसाय का प्रकार

(IV) साझेदारों के नाम व पते

(V) पूँजी योगदान

(VI) लाभ-हानि का अनुपात

(VII) पूँजी व आहरण पर ब्याज

(VIII) साझेदारों के अधिकार एवं कर्तव्य

(किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

23. -

पुनर्मूल्यांकन खाता
31 दिसम्बर 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष का

Dr. Cr.

विवरण	रकम (₹)	विवरण	रकम (₹)
स्टॉक से उपस्कर से संदिग्ध ऋण संचय से पुनर्मूल्यांकन पर लाभ बसंत- 750 विष्णु- 250	1,000 100 400 1,000	भवन को	2,500
योग	2,500	योग	2,500

अथवा

ख्याति की विशेषताएँ -

(I) एक अमूर्त संपत्ति
(II) एक स्थाई संपत्ति
(III) एक विक्रय योग्य संपत्ति
(IV) अधिक लाभ कमाने की क्षमता
(V) स्वतंत्र अस्तित्व नहीं
(VI) मूल्य में उतार-चढ़ाव

(किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

24. **एक साझेदार के अवकाश ग्रहण की दशाएं -**

(I) वृद्धावस्था
(II) खराब स्वास्थ्य
(III) अन्य व्यवसाय में अवसर
(IV) साझेदारों में मतभेद
(V) स्वयं का व्यापर करना
(VI) दिवालियापन
(VII) अन्य व्यक्तिगत कारण

(किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

किसी साझेदार की मृत्यु की दशा में उसके वैधानिक उत्तराधिकारी को देय राशि की गणना —

(I) पूँजी खाता का शेष
(II) सामान्य संचय का हिस्सा
(III) पुनर्मूल्यांकन का लाभ
(IV) ख्याति का हिस्सा
(V) लाभ का हिस्सा
(VI) पूँजी पर ब्याज (यदि देय हो)

उक्त मदों में के योग में से निम्नलिखित मदों को घटाया जाता है-

(I) आहरण एवं आहरण पर ब्याज
(II) पुनर्मूल्यांकन की हानि
(III) हानि का हिस्सा

अथवा

25. समता अंश एवं पूर्वाधिकार में अंतर –

आधार	समता अंश	पूर्वाधिकार अंश
(I) लाभांश	निश्चित नहीं	निश्चित दर से
(II) लाभांश की दर	निश्चित नहीं	निश्चित दर से
(III) भुगतान का क्रम	अंत मे	पहले
(IV) मतदान अधिकार	सभी मामलों में	अपने हित के मामलों में
(V) जोखिम	अधिक	कम
(VI) शोधन	कम्पनी के जीवनकाल में नहीं	कम्पनी के जीवनकाल में हो सकता है

(किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

सार्वजनिक कंपनी एवं निजी कंपनी में अंतर –

आधार	सार्वजनिक कंपनी	निजी कंपनी
(I) न्यूनतम सदस्य	7	2
(II) अधिकतम सदस्य	असीमित	200
(III) अंश निर्गम	जनता को	जनता को नहीं
(IV) अंशों का हस्तांतरण	स्वतंत्र	प्रतिबंधित
(V) प्रविवरण	आवश्यक	आवश्यक नहीं
(VI) न्यूनतम पूँजी	निर्धारित	अपेक्षाकृत कम
(VII) नाम के अंत में	लिमिटेड	प्रायवेट लिमिटेड

(किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

26.ऋणपत्रों के प्रकार -

(I) पंजीकृत ऋणपत्र
(II) वाहक ऋणपत्र
(III) सुरक्षित ऋणपत्र
(IV) असुरक्षित (नग्न) ऋणपत्र
(V) परिवर्तनीय ऋणपत्र
(VI) अपरिवर्तनीय ऋणपत्र
(VII) शोध्य ऋणपत्र
(VIII) अशोध्य ऋणपत्र

(किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ)

अथवा

अ लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ -

दिनांक	विवरण	खा.पृ.	नामे रकम (₹)	जमा रकम(₹)
1.	बैंक खाता नामे 8% ऋणपत्र आवेदन खाता से (आवेदन की राशि प्राप्त की)		50,000	50,000
2.	8% ऋणपत्र आवेदन खाता नामे 8% ऋणपत्र खाता से (आवेदन की राशि ऋणपत्र खाता में अंतरित की)		50,000	50,000
3.	8% ऋणपत्र आवंटन खाता नामे 8% ऋणपत्र खाता से (आवंटन राशि देय)		1,50,000	1,50,000
4.	बैंक खाता नामे 8% ऋणपत्र आवंटन खाता से (आवंटन राशि प्राप्त)		1,50,000	1,50,000
5.	8% ऋण. प्रथम एवं अंतिम याचना खाता नामे 8% ऋणपत्र खाता से (प्रथम एवं अंतिम याचना राशि देय)		3,00,000	3,00,000
6.	बैंक खाता नामे 8% ऋण. प्रथम एवं अंतिम याचना खाता से (प्रथम एवं अंतिम याचना राशि प्राप्त)		3,00,000	3,00,000
	योग		**10,00,000**	**10,00,000**

--*****--